कोई आपसे प्यार करते हैं!

''कोई आपसे प्यार करते हैं।
आप जहाँ भी जाएँ
आपके संग रहना चाहते हैं।
कोई आपसे प्यार करते हैं।
और शुरू से ही
आपके दिल में आना चाहते हैं।''

हाँ, कोई *आपसे* प्यार करते हैं, और इसी कारण उन्होंने आपको यह छोटा-सा सन्देश दिया है! कोई आपसे प्यार करते हैं, और आप को सच्ची खुशी देना चाहते हैं। हम सब प्यार पाना और देना चाहते हैं और हम सब के लिए, इस धरती पर, प्यार ही सबसे बड़ी चीज़ है। सृष्टि का सारा सौन्दर्य प्यार के कारण ही हमारे लिए बनाया गया- घास, पेड़, फूल, शानदार सूर्यस्त, खूबसूरत चाँदनी रातें और विचित्र पशु। हमारे पालतू पशु भी प्यार समझते हैं और महसूस करते हैं, और प्यार के बिना नहीं रह सकते। और कभी-कभी तो शोक के कारण मर भी जाते हैं!

हम भी प्यार के लिए व्याकुल हैं, और कभी-कभी तो दु:ख के कारण, प्यार के बिना, मरने तक आ जाते हैं! क्योंकि हम सबको प्यार की, तथा किसी को प्यार करने की आवश्यकता है। इसीलिए तो हम यहाँ भेजे गए, और इसी कारण हम यहाँ हैं, क्योंकि कोई *हमसे* प्यार करते हैं, और हमें खुश देखना चाहते हैं। वे हमें प्यार से भरपूर करना चाहते हैं, और हमें ज़िन्दगी की अच्छी चीज़ों का आनन्द लेते हुए देखना चाहते हैं।

परन्तु इस दुनिया में इतना दु:ख और इतनी पीड़ा क्यों है? - इतनी बुराई, कुरूपता, कठिनाई, और मृत्यु? क्यों नहीं सब कुछ खूबसूरत, भला, और आनन्दमय हो सकता है? विश्व के निर्माण में सब कुछ अच्छा ही बनाया गया था। परन्तु मनुष्य ने स्वार्थी और निर्दयी होने का, तथा अपने ही रास्ते पर जाने का, निश्चय किया। -बुनियादी सृष्टी और स्वर्ग से बहुत दूर! इस जगत में दु:ख लाने में हम सबका हाथ है। क्यों न हम असलियत का सामना करें? क्या हम सब ने समय-समय पर बुरे काम नहीं किये हैं? क्या हम सबने ऐसी गलतियाँ नहीं की हैं जिन्हें अब हम नहीं सुधार सकते? प्यार कितने ज़ख्मों को भर सकता है, कितने दिलों में सुख वापस ला सकता है, और कितनी मौत, स्वार्थ, लालच तथा ज़िद को टाल सकता है, जिसके कारण हमारी ज़िन्दगी तथा इस दुनिया में इतना दु:ख है।

हमने स्वर्ग-रूपी धरती का विनाश कर दिया है- यह धरती जो हमारे आनन्द व प्रयोग के लिए हमें दी गई थी। हमने नफ़रत, लालच, हिंसा, दर्द, युद्ध और मौत से इस धरती को तबाह कर दिया है। परन्तु कोई ऐसे हैं, जो आपको इन सब दुखों से हमेशा के लिए मुक्त करना चाहते हैं।

वे अभी भी आपकी इन बुराईयों से रक्षा करना चाहते हैं। वे आपको सुख, शान्ति और सबसे जरूरी चीज़- *प्यार* देना चाहते हैं। प्यार उनके लिए, दूसरों के लिए, और अपने लिए भी। वे सब भलाई के दाता हैं, प्यार के प्रभु हैं, और प्यार *करने* वाले प्रभु हैं, क्योंकि

-जिन्होंने आपसे इतना प्यार किया, कि उन्होंने *आपकी* ज़िन्दगी बचाने के लिए *अपनी* ज़िन्दगी कुर्बान की। ''इससे बढ़कर कोई प्यार नहीं, कि एक आदमी अपने दोस्तों के लिए अपनी जान दे।'' (जॉन 15:13) और उन्होंने *आपके* लिए ऐसा ही किया। आपके पापों का प्रायश्चित करने के लिए, और आपको प्यार तथा क्षमा देने के लिए।

वे चाहते हैं कि आप सिर्फ़ उनकी ओर मुड़ें, उनसे क्षमा माँगें, उनमे विश्वास करें, उन्हें अपनाएँ, और उनकी भलाई के लिए उनको शुक्रिया अदा करें। -कि आप दूसरों को प्यार करें, और उनकी भलाई करें, जिस प्रकार उन्होने आपको प्यार किया और आपकी भलाई की। वे इससे भी बड़े पैमाने पर भविष्य में आपकी भलाई करेंगे, जब वे आपको अपने स्वर्गीय राज्य में लेने आएँगे। तब वे पूरे जगत का शासन सम्भालेंगे, और ईमानदारी, प्रेम, रहम, तथा दया के साथ राज करेंगे। वे सब युद्ध, दुश्मनी तथा लड़ाई-झगड़ों का अन्त करेंगे और एक शानदार एवं खूबसूरत प्यार का राज्य इस धरती पर बसाएँगे, जिसका हम हमेशा, हमेशा आनन्द ले सकेंगे। उन्हें अपने दिल में बुलाईये और वे आपके सब आँसू पोंछ देंगे। आपके अकेलेपन, भय, अस्वीकृता तथा मानसिक उल्झनों को दूर कर देंगे। वे आपको एक अद्भुत प्यार का जीवन देंगे, जिसका कोई अन्त न होगा। क्या आप येशु को आज अपने दिल में बुलाएँगे? ईश्वर के प्यार के पुत्र, उनके प्यार के चिह्न, उनके अपने पुत्र, जो हमें अपना प्यार दिखाने इस धरती पर भेजे गए। परन्तु जिन्हें दुष्ट लोगों ने ठुकराया और सूली पर चढ़ाया। ईश्वर धन्य हैं, येशु मृत्यु पर भी विजयी हुए, और स्वर्ग गए। अपनी माँ-जैसी पवित्र आत्मा के साथ वे अब हमारे संग हैं। जरा सोचिए, ईश्वर के प्यारे पुत्र ने आपके लिए अपनी जान दी कि आप

नया जीवन पा सकें। वे आपको खुश देखना चाहते हैं, हम सब आपको खुश देखना चाहते हैं। हम अनेकों हैं जो आपसे प्यार करते हैं, और आपकी सहायता कर सकते हैं, अगर आप सिर्फ़ उनकी ओर मुढ़ें और उन सब की ओर मुढ़ें जो आपसे प्यार करते हैं। आप अभी, इस वक्त यह प्रार्थना कहकर उनका प्रेम पा सकते हैं।

''हे प्रभु, कृपया मेरी गलतियों को माफ़ करो। मैं क्षमा माँगता हूँ, और आपके पुत्र येशु के प्रेम द्वारा, आपको अपने दिल में बुलाता हूँ। आपको तथा दूसरों को प्यार करने में मेरी मदद करो, जिससे मैं भी खुश रहूँ तथा दूसरों को भी खुशी दूँ। अपनी अद्भुत किताब, बाईबल द्वारा, मुझे अपने बारे में सिखलाओ। आपके पुत्र येशु के नाम में, ऐसा ही हो।''

अगर आपने सच्चे दिल से यह प्रार्थना करी, तो येशु आपके दिल में आ गए हैं। उनका वचन है, ''देखो, मैं तुम्हारे दिल के दरवाज़े पर खटखटा रहा हूँ। अगर कोई द्वार खोले, तो मैं अन्दर आकर उसके साथ रहूँगा, और उससे प्यार करूँगा।'' (प्रकाशितवाक्य 3:20)

अगर आपने यह प्रार्थना नहीं की है, तो देर होने से पहले इसे अभी कीजिए। ईश्वर आपका भला करें, आपको सुरक्षित रखें और आपको आशीश दें।

-आपका प्यार-भरा परिवार

"परमेश्वर की कोई छवि नहीं है और उन का नाम पवित्र है" (यजुर्वेद 32.3) यह देख कर, की परमेश्वर की कोई छवि नहीं है, हमें आत्मा और सच्चाई में उसकी पूजा करनी चाहिए। तब वह हमारी मदद करेगा और हमारी प्रार्थना का जवाब देगा

"मुझे असत्य से वास्तविक की ओर ले चलो,
मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो,
मुझे मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो।"

बृहदारण्यक उपनिषद

<u>स्वामी विवेकानंद</u> ज्ञानदीपम में कहते हैं:

“हम सभी को प्रभु यीशु मसीह को अपने परमेश्वर के रूप में पूजना चाहिए जिन्होंने मनुष्य का रूप धारण किया ।मोक्ष तक पहुँचने के लिए हमारा उसके साथ घनिष्ठ संबंध होना चाहिए।क्योंकि वह एकमात्र खुदा हैं जो सभी देवताओं से ऊपर हैं।" (सुदर 7, पृष्ठ 270) "उसने उन लोगों को क्षमा कर दिया जिन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया था।उसने हमारे सभी पापों को लिया ।वह सभी को शांति देता है।” (सुदर 2, पृष्ठ 372)।

Visit: www.johanpeters.in (English)